National Education Society for Tribal Students
New Delhi

Detailed syllabus for the posts of Post Graduate Teachers (PGTs)

pgtprime.com

Syllabus -PGTs

- **General awareness**
  General knowledge and Current affairs with special emphasis in the field of education.
- **Reasoning Ability**
  Puzzles & Seating arrangement, Data sufficiency, Statement based questions (Verbal. reasoning), Inequality, Blood relations, Sequences and Series, Direction Test, Assertion and Reason, Venn Diagrams.
- **Knowledge of ICT**
  Fundamentals of Computer System, Basics of Operating System, MS Office, Keyboard Shortcuts and their uses, Important Computer Terms and Abbreviations, Computer Networks, Cyber Security, and Internet.
- **Teaching aptitude**
  Teaching-Nature, Characteristics, Objectives and Basic requirements, Learner's characteristics, Factors affecting teaching, Methods of Teaching, Teaching Aids and Evaluation Systems.
- **Experiential activity-based pedagogy and case study based**
- **National Education Policy (NEP)- 2020**
- **General English**
  Verb, Tenses, Voice, Subject-Verb Agreement, Articles, Comprehension, Fill in the Blanks, Adverb, Error Correction, Sentence Rearrangement, Unseen Passages, Vocabulary, Antonyms/Synonyms, Grammar, Idioms & Phrases
- **General Hindi**
  संधि, समास, विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, सामान्य असुद्धियाँ, वाक्यांशों के लिए एक शब्द, मुहावरे- लोकोक्तियां, अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न |

pgtprime.com

पी.जी.टी- हिन्दी

खंड क - इतिहास एवं साहित्य

हिन्दी साहित्य के इतिहास का विस्तृत अध्ययन:-

(1) **आदिकाल से रीतिकाल**

इसके अन्तर्गत कालगत परिस्थितियाँ एवं साहित्य पर उसका प्रभाव, प्रत्येक युग के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, साहित्यिक विशेषताएँ, भाषा शैली

(क) **आदिकाल -** चंदबरदाई, अमीर खुसरो, विद्यापति

(ख) भक्तिकाल -

(i) निर्गुण भक्तिधारा ज्ञानमार्गी शाखा, प्रेममार्गी शाखा कबीर, दादू, रैदास, नानक, जायसी, कुतुबन ।

(ii) सगुण भक्तिधारा - राम भक्तिशाखा, औष्ण-भक्ति शाखा तुलसीदास, केशव, सूरदास, मीराबाई, अष्टछाप के कवि

(ग) **रीतिकाल–**

रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्य.....देव, घनानंद, बिहारी, मतिराम, सेनापति, भूषण, पद्माकर

(II) **<u>आधुनिक काल</u>**

युगीन परिस्थितियाँ, साहित्यिक पृष्ठभूमि, मुख्य विचारधारा, मुख्य साहित्यकार, साहित्यिक रचनाएँ, विशेषताएँ, भाषा-शैली (क) भारतेन्दुयुग भारतेन्दु - हरिश्चंद्र, बालमुकुन्दगुप्त. बदरीनारायण चौधरी प्रेमधन

(ख) द्विवेदीयुग महावीर प्रसाद द्विवेदी, – श्रीधर पाठक, अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध, मैथिलीशरण गुप्त

(ग) छायावाद जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, सुमित्रानन्दन पंत, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

(घ) प्रगतिवाद पंत निराला, नरेन्द्र शर्मा, केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन

(ङ) प्रयोगवाद मुक्तिबोध, नेमिचंद्र जैन, भारतभूषण अग्रवाल, – प्रभाकर माचवे, गिरिजा कुमार माथुर, रामविलास शर्मा, अज्ञेय

(च) नई कविता भवानी प्रसाद मिश्र, नरेन्द्र शर्मा, धूमिल, धर्मवीर भारती, शंभुनाथ सिंह

<u>गद्य साहित्य का विस्तृत अध्ययन</u>

गद्य एवं अन्य विधाओं का प्रारम्भ, विकास, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ, साहित्यिक विशेषताएँ, भाषाशैली। निबंध, कथासाहित्य उपन्यास और कहानी, नाटक, एकांकी, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-वृतांत, आत्मकथा, जीवनी, पत्र, डायरी, आलोचना, रिपोतार्ज आदि इन सभी विधाओं का विस्तृत परिचय |

pgtprime.com

2. हिंदी साहित्य

(काव्य साहित्य पर आधारित प्रश्न)

निम्नलिखित कवियों की प्रसिद्ध काव्य-रचनाओं में से लिए गए काव्यांशों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या, भाव-सौंदर्य, शिल्प सौन्दर्य पर एक वस्तु निष्ठ प्रश्न एवं दो विष्य परक प्रश्न -

(ι) सप्रसंग व्याख्या, भाव सौन्दर्य - विषय परक - प्रश्न

(ιι) शिल्प सौन्दर्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न

अमीर खुसरो, विद्यापति, सूरदास, तुलसीदास, कबीरदास, जायसी, मीराबाई, रसखान, धनानंद, बिहारीलाल, भारतेन्दु, मैथलीशरण गुप्त, दिनकर, जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, निराला, पंत, हरिवंशराय बच्चन, मुक्तिबोध, रघुवीर सहाय, केदारनाथ सिंह, भवानीप्रसाद मिश्र, अज्ञेय इत्यादि (संकेत एम. ए. तक के पाठ्यक्रम में पढ़ी - उपरोक्त कवियों की प्रसिद्ध कविताएँ)

निम्नलिखित गद्य लेखकों की प्रसिद्ध रचनाओं में से व्याख्या से संबंधित अंश, आशय स्पष्टीकरण एवं भाषा प्रश्न शैली पर आधारित प्रश्न

(ι) सप्रसंग व्याख्या एवं आशय स्पष्टीकरण पर आधारित दो विष्य परक प्रश्न

(ιι) भाषाशैली पर आधारित

भारतेन्दु, रामचंद्र शुक्ल, प्रेमचंद, जैनेन्द्र कुमार, हजारीप्रसाद द्विवेदी, धर्मवीर भारती, रामविलास शर्मा, निर्मल वर्मा, फणीश्वर नाथ रेणु, कृष्णा सोबती, भीष्म साहनी, शेखर जोशी, विष्णु खरे, ममता कालिया

3. कवियों और लेखकों के व्यक्तित्व एवं औतित्व पर आधारित एक प्रश्न जिसके पाँच भाग होंगे - यह प्रश्न हिन्दी साहित्य के प्रसिद्ध कवियों एवं लेखकों के जीवन-परिचय, साहित्यिक रचनाएँ एवं भाषाशैली पर आधारित होंगे।

खंड ख - व्याकरण एवं रचना

1. व्याकरण

(क) शब्द-विचार एवं शब्द भंडार - शब्द भेद अर्थ, रचना, स्रोत तथा प्रयोग की दृष्टि से शब्द भंडार - पर्यायवाची, विपरीतार्थक, एकार्थी, अनेकार्थी शब्द-युग्म शब्द निर्माण - उपसर्ग, प्रत्यय, समास

(ख) पद-विचार - पदबंध, पद-परिचय, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, पदबंध-भेद, प्रयोग, पद-परिचय

(ग) वाक्य- विचार- वाक्य संरचना, वाक्य भेद - अर्थ एवं रचना की दृष्टि से, वाक्य- परिवर्तन, वाक्य-संश्लेषण, वाक्य - विश्लेषण

(घ) सन्धि - स्वर सन्धि, व्यंजन सन्धि, विसर्ग सन्धि

2. अपठित बोध -

(क) काव्यांश पर आधारित प्रश्न, भाव सौन्दर्य, शिल्प -- सौन्दर्य

pgtprime.com

(ख) गद्यांश (साहित्यिक / वर्णनात्मक)

3. (i) समसामयिक विषय,

(ii) वर्णनात्मक विषय

(iii) सर्जनात्मक विषय

(iv) साहित्यिक विषय

4. काव्यशास्त्रीय अध्ययन

(i) साहित्य का अर्थ, स्वरूप, उद्देश्य

(ii) साहित्य की विविध विधाएँ

(iii) रस-मीमांसा सभी रसों का ज्ञान, काव्य की आत्मा के रूप में रस मीमांसा

(iv) शब्द शक्ति अभिधा, लक्षणा, व्यंजना -

(v) काव्य-गुण प्रसाद, माधुर्य, ओज -

(vi) काव्य- -दोष विस्तृत जानकारी -

(vii) छंद ज्ञान वर्णिक, मात्रिक

(viii) अलंकार शब्दालंकार, अर्थालंकार, उभयालंकार एवं नए अलंकार

खण्ड ग – लेखन कौशल और पत्रकारिता

1. पत्रकारिता से संबंधित विषय

(i) प्रिंट माध्यम (समाचार और संपादकीय)

(ii) रिपोर्ट

(iii) आलेख

(iv) फीचर लेखन

(v) साक्षात्कार

(vi) रेडियो व दूरदर्शन के लिए लेखन?

(vii) विज्ञापन लेखन

(viii) उद घोषणा

(ix) स्वागत भाषण

(x) संगोष्ठी संचालन

pgtprime.com

2. व्यावहारिक लेखन पर एक विषयपरक प्रश्न

(i) व्यावहारिक हिन्दी का स्वरूप

(ii) प्रयोजनमूलक हिन्दी और उसके विविध आयाम

(iii) कार्यालयी हिन्दी और उसके विविध आयाम

(iv) प्रतिवेदन, अर्थ, प्रमुख तत्व, विशेषताएँ, प्रकार प्रतिवेदन लेखन

(v) कार्यसूची कार्यसूची तैयार करने का नमूना

(vi) कार्यवछत्ता स्वरूप, निर्माण

3. सर्जनात्मक लेखन एवं मौलिक अभिव्यक्ति पर एक विषयपरक प्रश्न कविता, कहानी, लघुकथा, डायरी लेखन आदि के रूप में –

(ı) दिए गए विषय पर कविता, लघुकथा संबंधी मौलिक रचना

(ıı) कहानी का कविता में रूपान्तरण

(ııı) अनुभवों के आधार पर लेखन

4. विभिन्न दक्षताओं के विकास हेतु एक विषयपरक प्रश्न

(ı) वार्तालाप की दक्षता के विकास हेतु संवाद लेखन ।

(ıı) कोई भी समसामयिक विषय द्वारा कहानी/कविता लेखन ।

pgtprime.com